EliteProof
Proofing & Reviewing System

Proof Reviewing

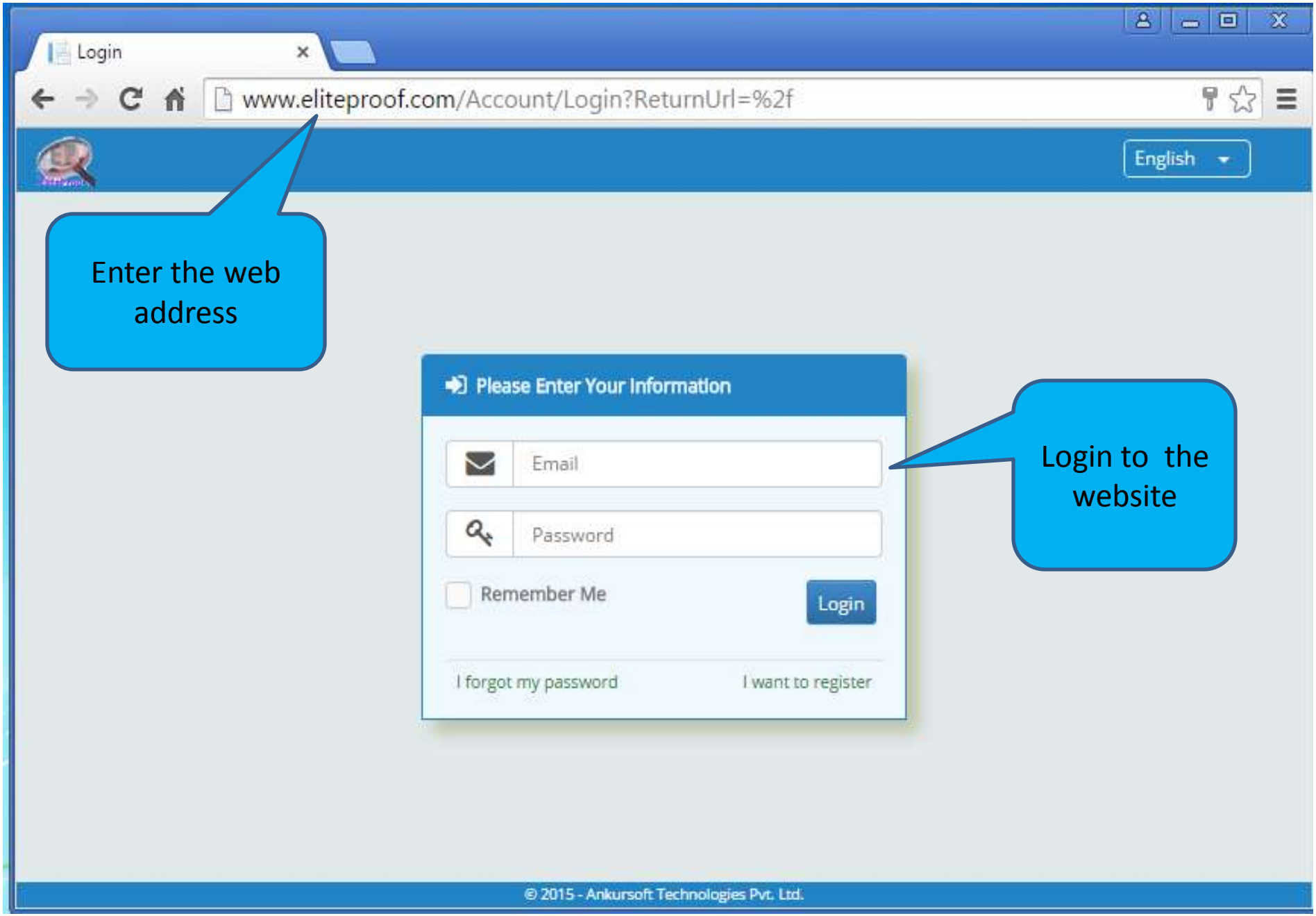

Login to the EliteProof web application

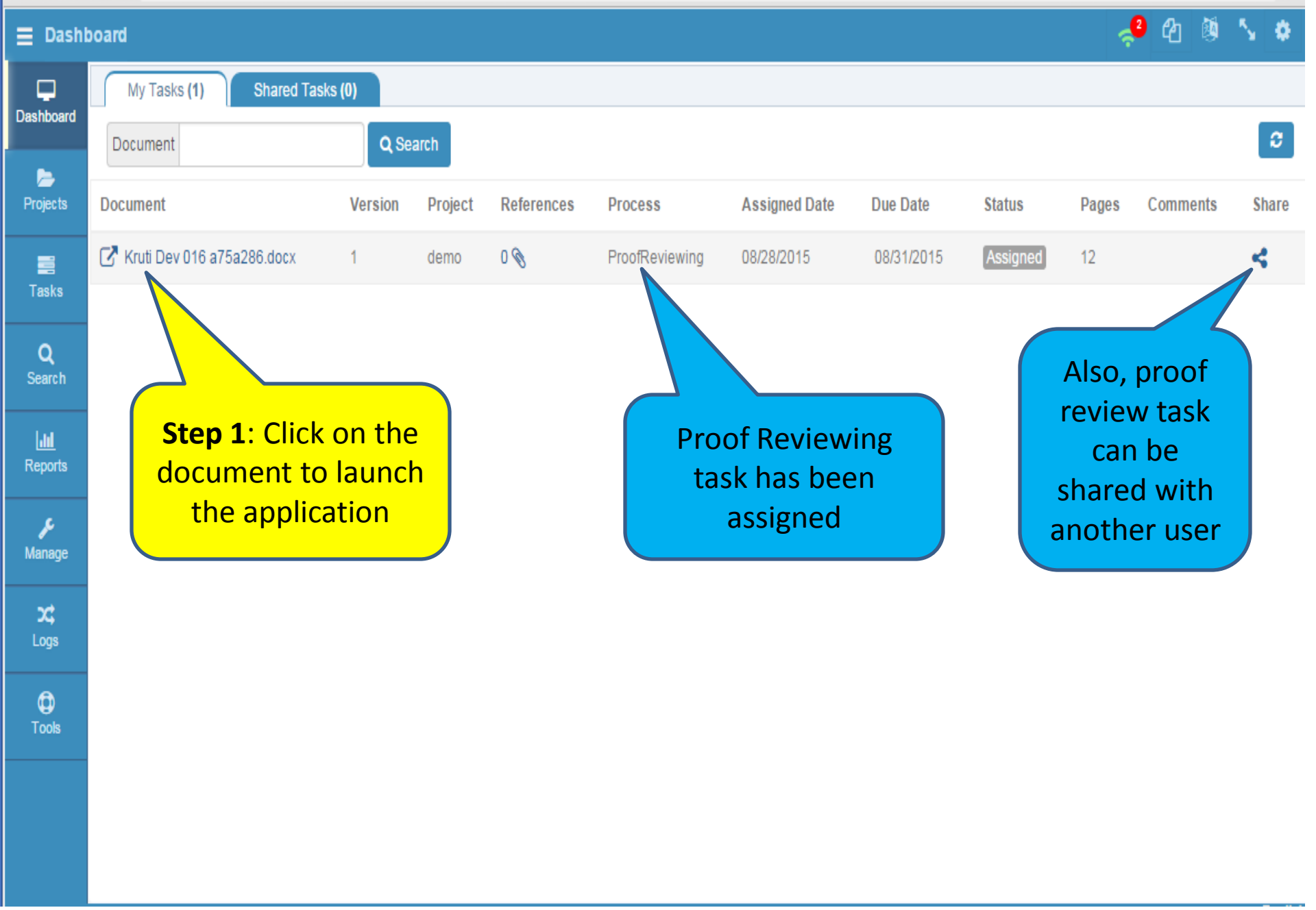

Launching the ProofReview application from Dashboard

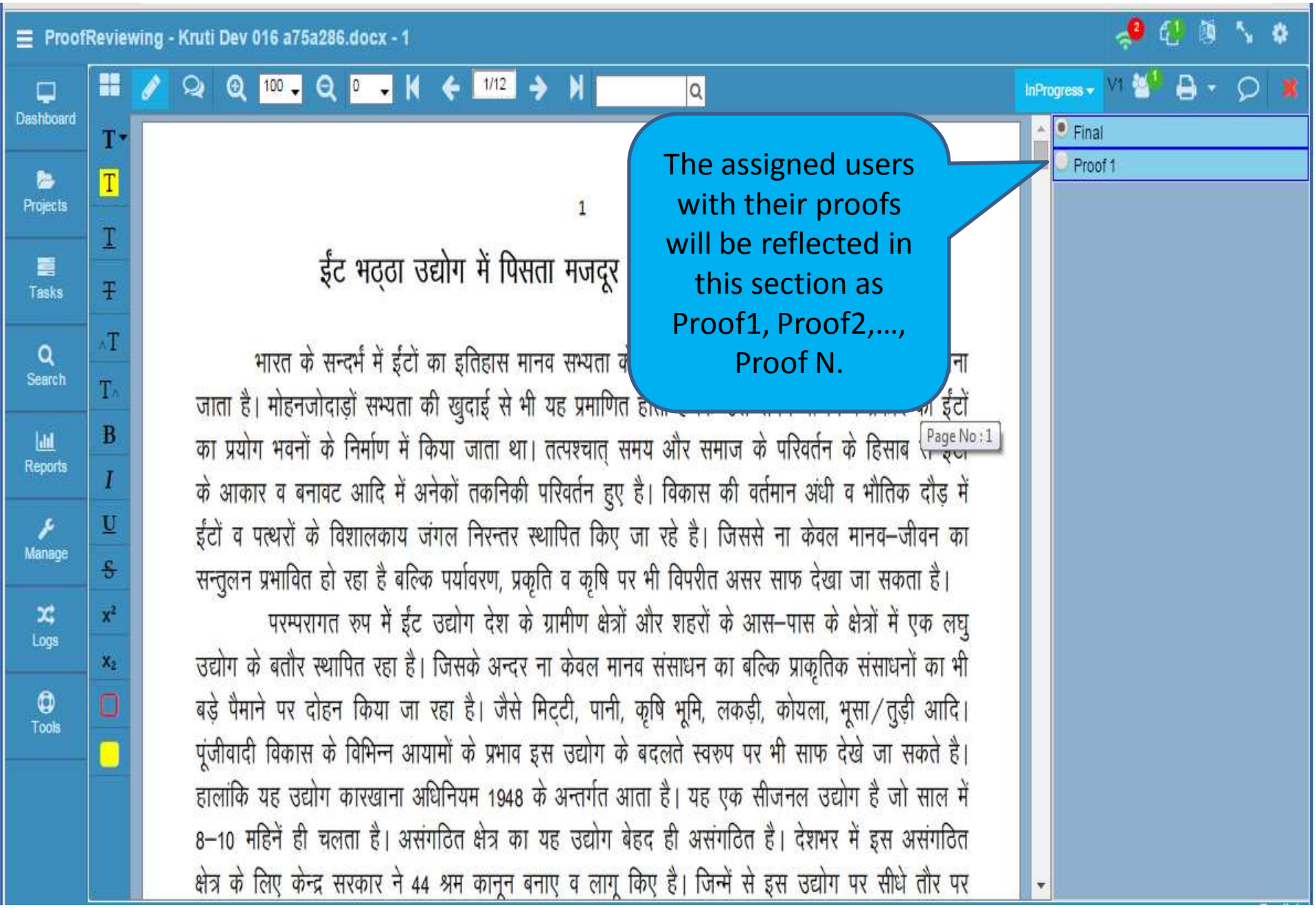

ProofReview application displays proofing done by multiple users(Proof1, Proof2, Prooff3 etc.)

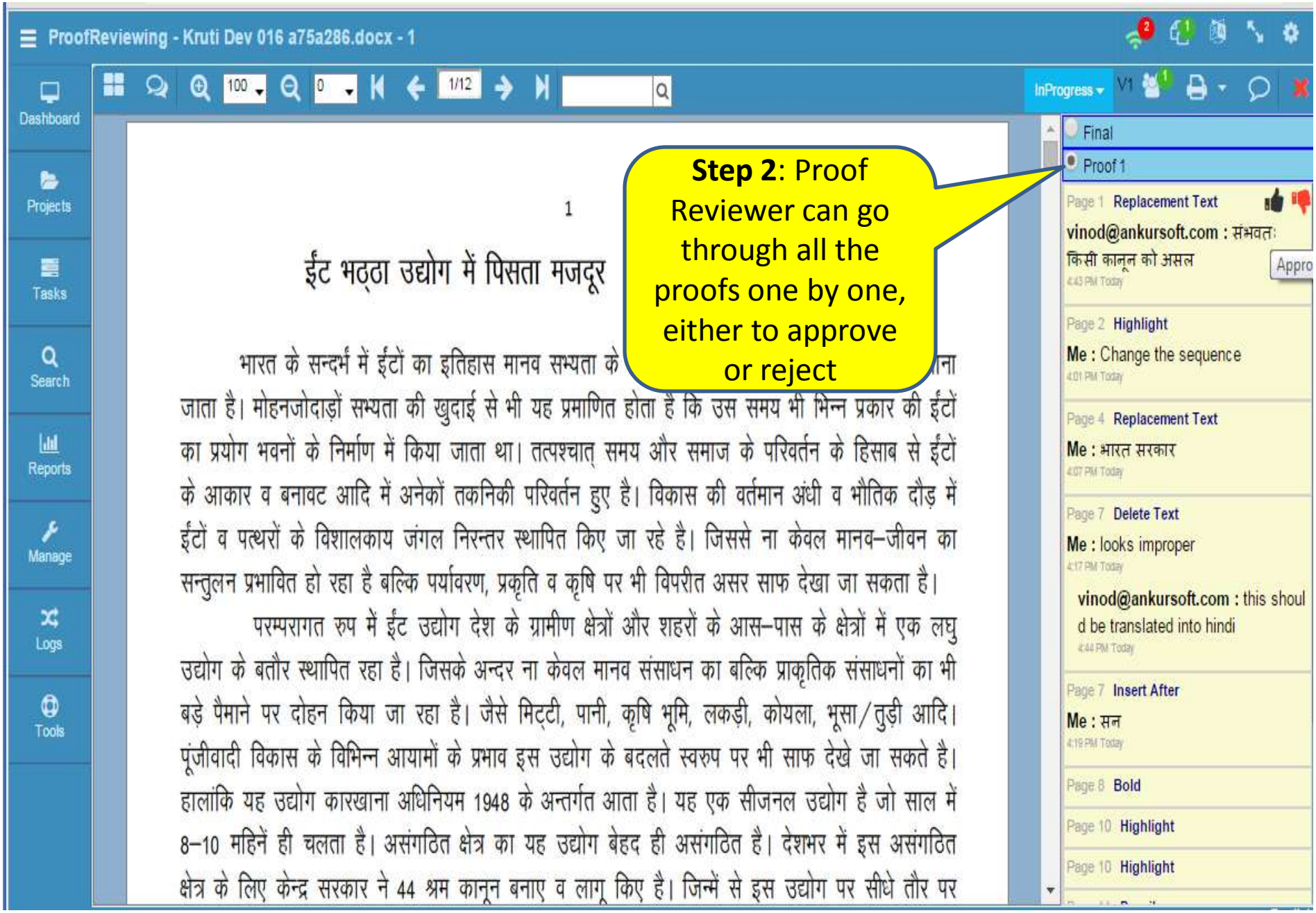

Displaying the proofing done first user

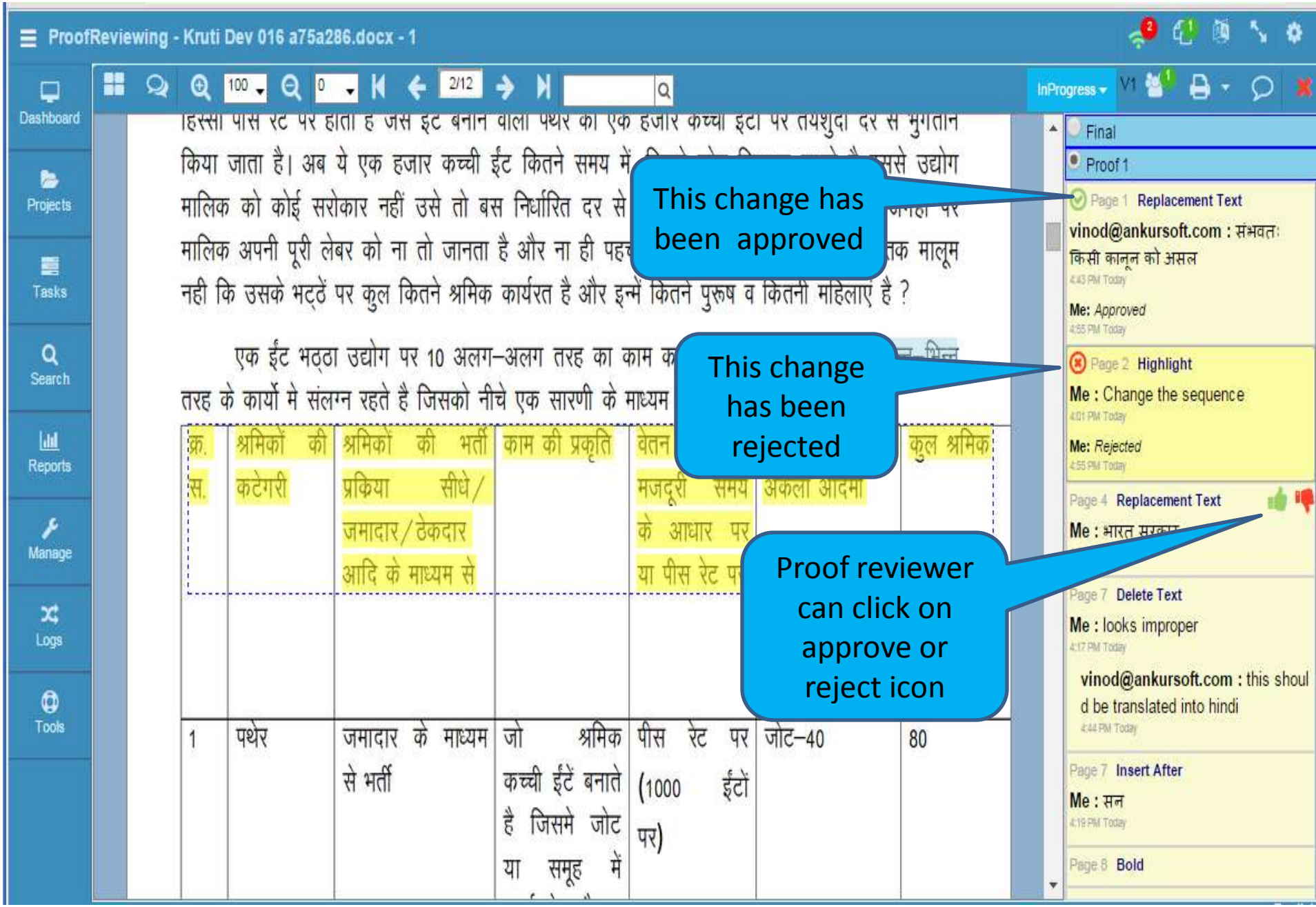

User can approve or reject the annotation by clicking on the proper icon.

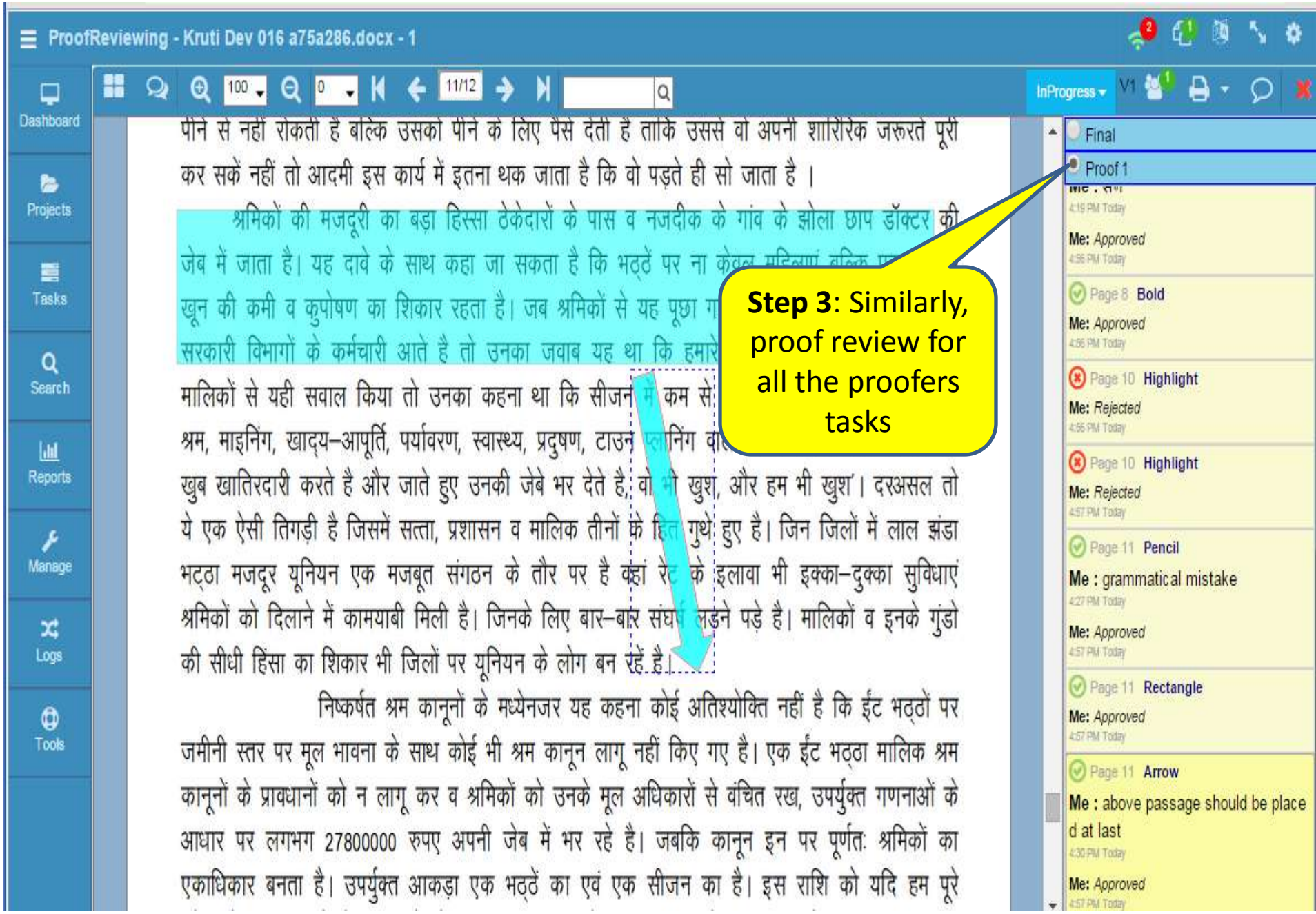

ProofReviewing - Kruti Dev 016 a75a286.docx - 1
Dashboard
Projects
Tasks
Search
Reports
Manage
Logs
Tools
100
11/12
InProgress
V1
पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरते पूरी
कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।
श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की
जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भठ्ठें पर ना केवल
खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा
सरकारी विभागों के कर्मचारी आते है तो उनका जवाब यह था कि हमारे
मालिकों से यही सवाल किया तो उनका कहना था कि सीजन में कम से
श्रम, माइनिंग, खाद्य–आपूर्ति, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रदुषण, टाउन प्लानिंग
खुब खातिरदारी करते है और जाते हुए उनकी जेबे भर देते है, वो भी खुश, और हम भी खुश'। दरअसल तो
ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन व मालिक तीनों के हित गुथे हुए है। जिन जिलों में लाल झंडा
भट्ठा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन के तौर पर है वहां रेट के इलावा भी इक्का–दुक्का सुविधाएं
श्रमिकों को दिलाने में कामयाबी मिली है। जिनके लिए बार–बार संघर्ष लड़ने पड़े है। मालिकों व इनके गुंडो
की सीधी हिंसा का शिकार भी जिलों पर यूनियन के लोग बन रहें है।
निष्कर्षत श्रम कानूनों के मध्येनजर यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि ईंट भठ्ठों पर
जमीनी स्तर पर मूल भावना के साथ कोई भी श्रम कानून लागू नहीं किए गए है। एक ईंट भठ्ठा मालिक श्रम
कानूनों के प्रावधानों को न लागू कर व श्रमिकों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के
आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे है। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का
एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भठ्ठें का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे
Final
Proof 1
Me: Approved
Page 8 Bold
Me: Approved
Page 10 Highlight
Me: Rejected
Page 10 Highlight
Me: Rejected
Page 11 Pencil
Me : grammatical mistake
Me: Approved
Page 11 Rectangle
Me: Approved
Page 11 Arrow
Me : above passage should be placed at last
Me: Approved
Step 3: Similarly, proof review for all the proofers tasks

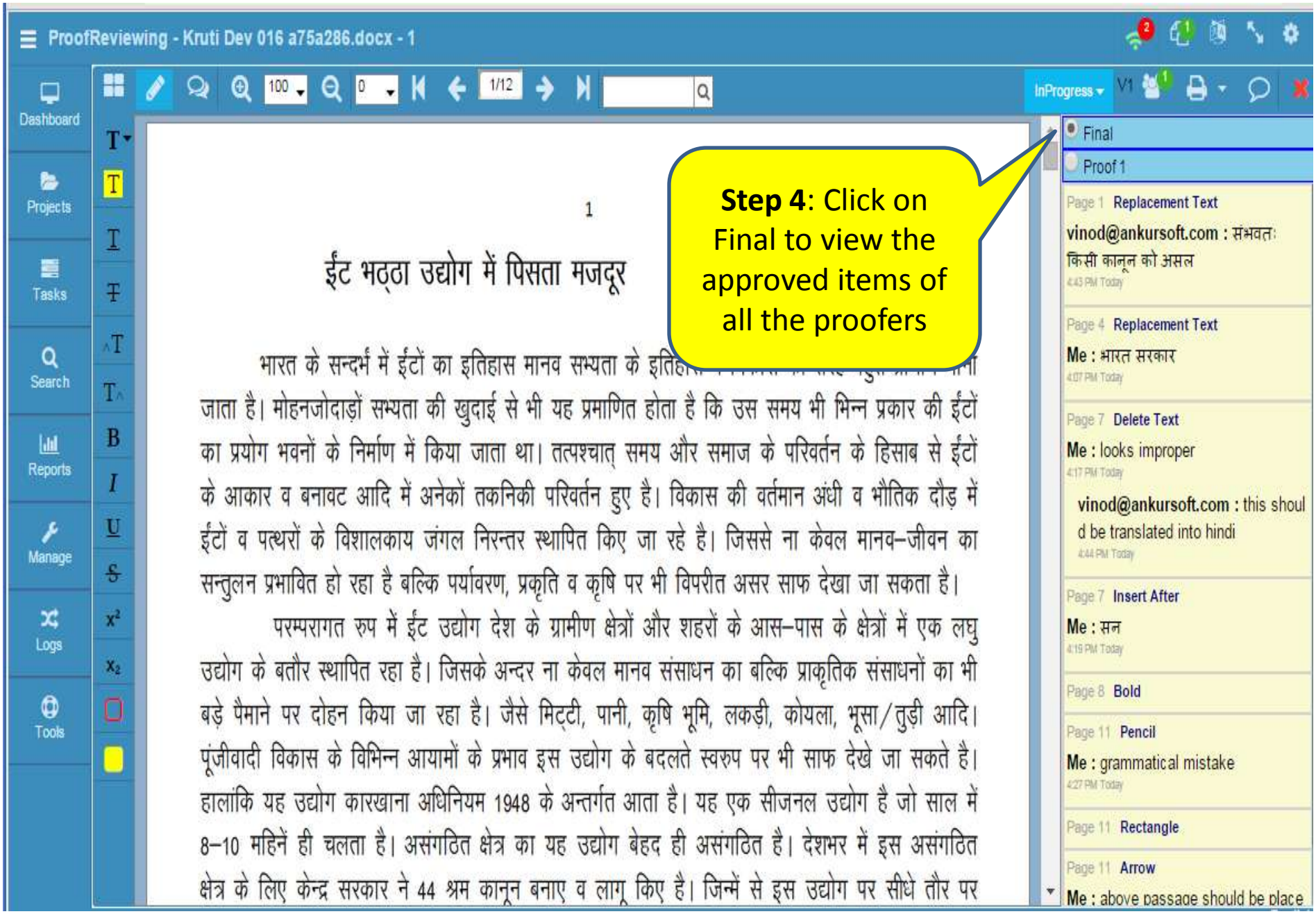

Final displays all the approved comments and new comments.

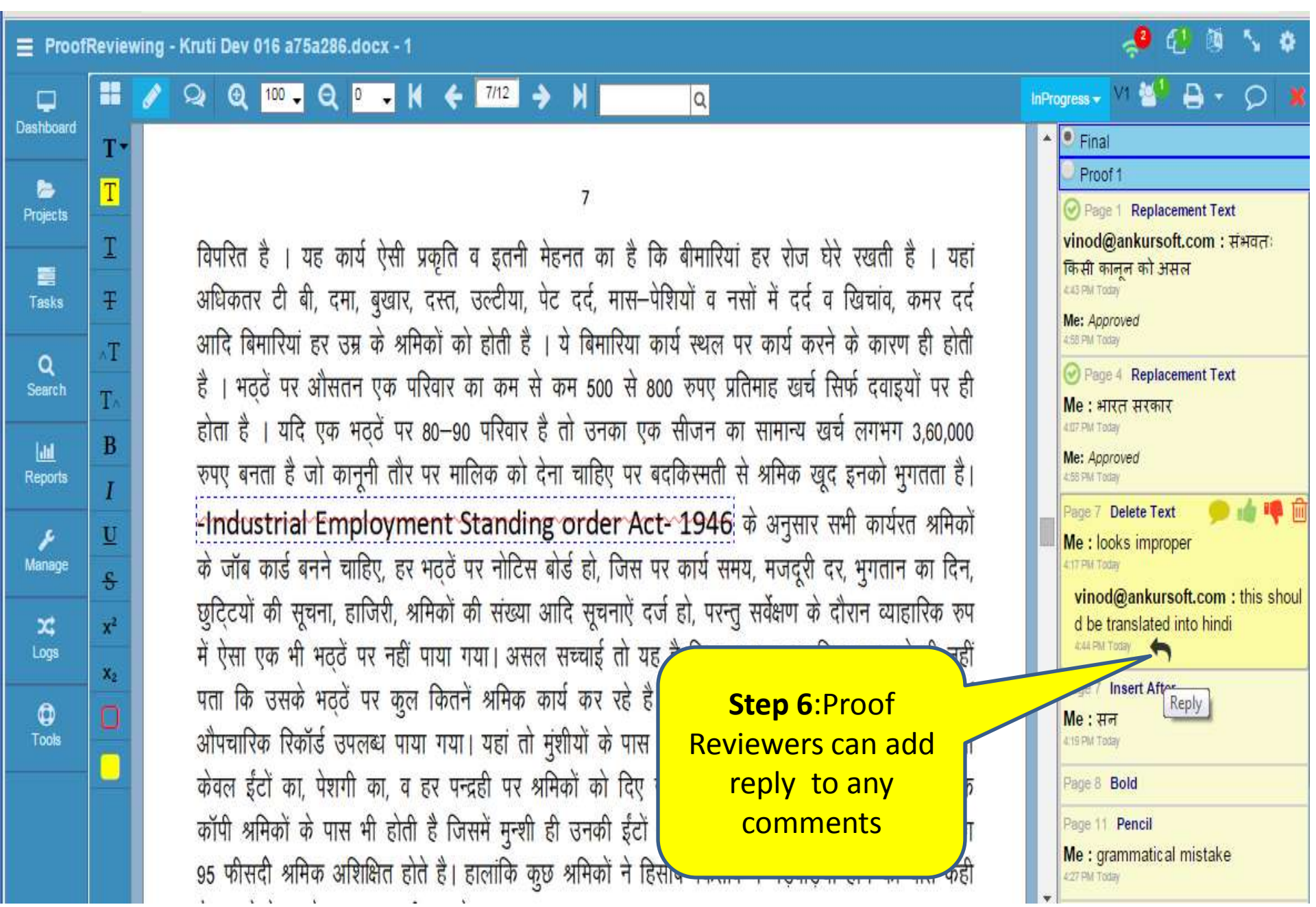

Adding reply to a cooment

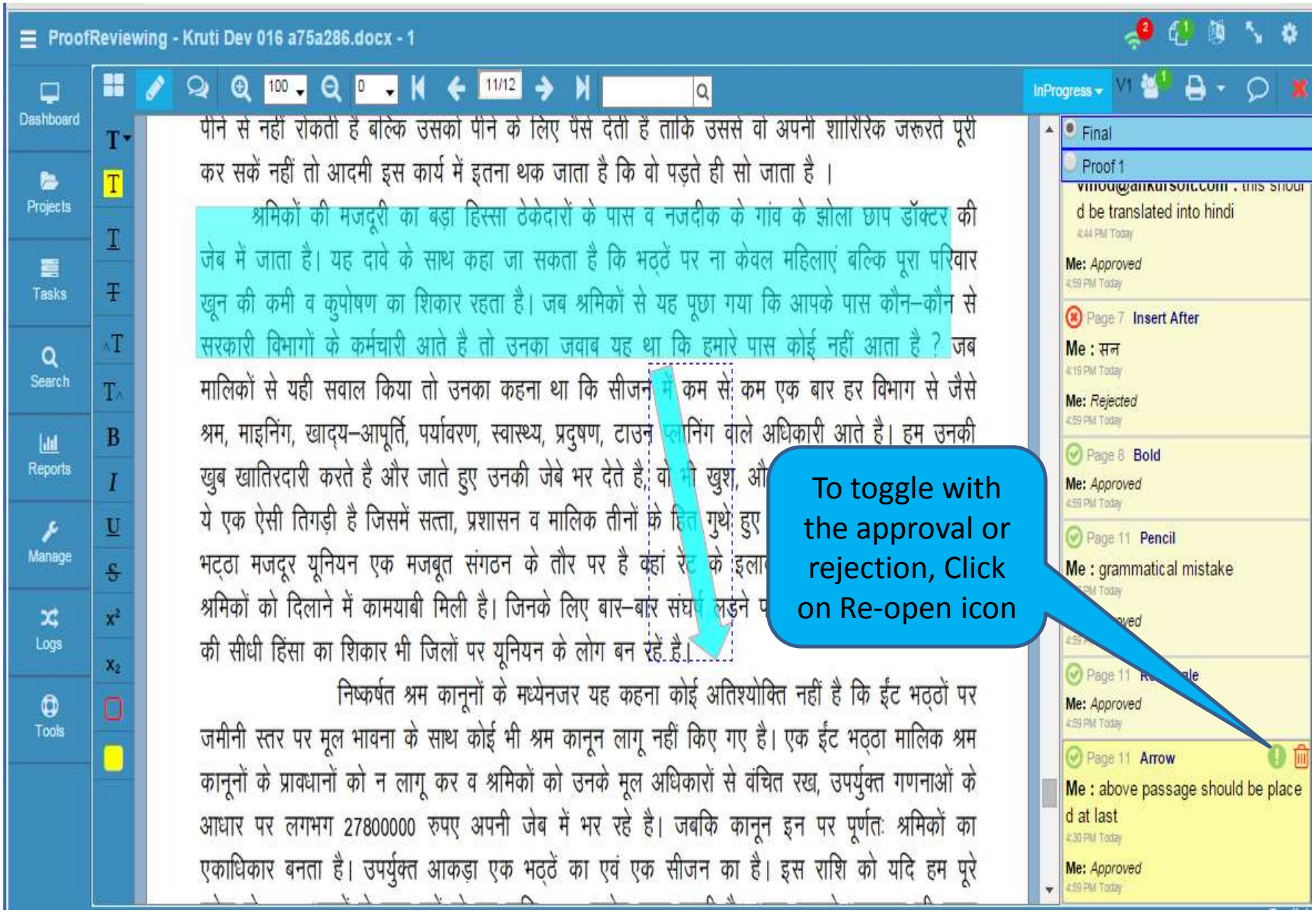

पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरतें पूरी कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भठ्ठें पर ना केवल महिलाएं बल्कि पूरा परिवार खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा गया कि आपके पास कौन–कौन से सरकारी विभागों के कर्मचारी आते है तो उनका जवाब यह था कि हमारे पास कोई नहीं आता है ? जब मालिकों से यही सवाल किया तो उनका कहना था कि सीजन में कम से कम एक बार हर विभाग से जैसे श्रम, माइनिंग, खादय–आपूर्ति, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रदुषण, टाउन प्लानिंग वाले अधिकारी आते है। हम उनकी खुब खातिरदारी करते है और जाते हुए उनकी जेबे भर देते है, वो भी खुश, औ
ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन व मालिक तीनों के हित गुथे हुए
भट्ठा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन के तौर पर है वहां रेट के इला
श्रमिकों को दिलाने में कामयाबी मिली है। जिनके लिए बार–बार संघर्ष लड़ने प
की सीधी हिंसा का शिकार भी जिलों पर यूनियन के लोग बन रहें है।

निष्कर्षत श्रम कानूनों के मध्येनजर यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि ईंट भठ्ठों पर जमीनी स्तर पर मूल भावना के साथ कोई भी श्रम कानून लागू नहीं किए गए है। एक ईंट भठ्ठा मालिक श्रम कानूनों के प्रावधानों को न लागू कर व श्रमिकों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे है। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भठ्ठें का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे

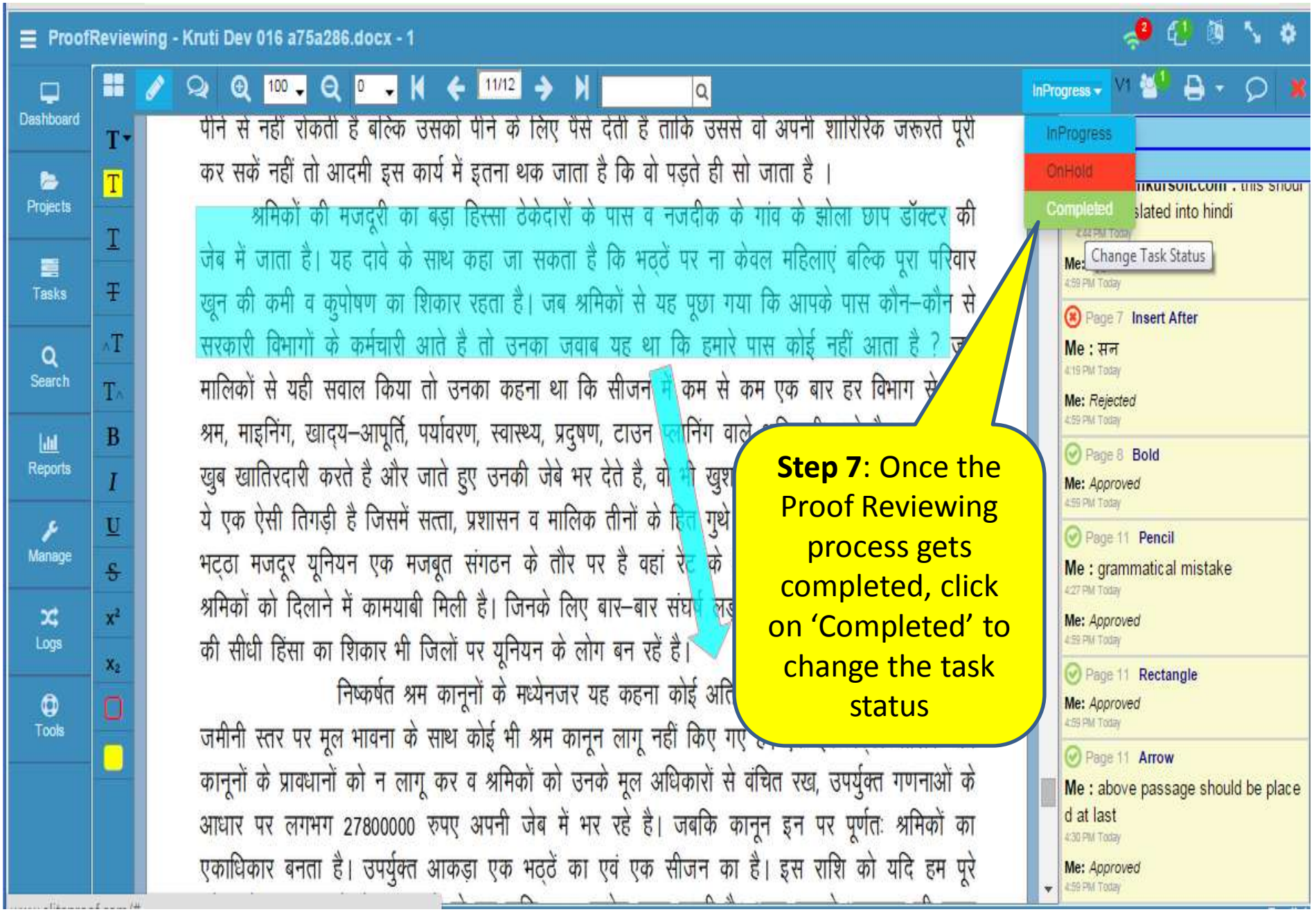

Click on the Completed menu to finish the ProofReview task

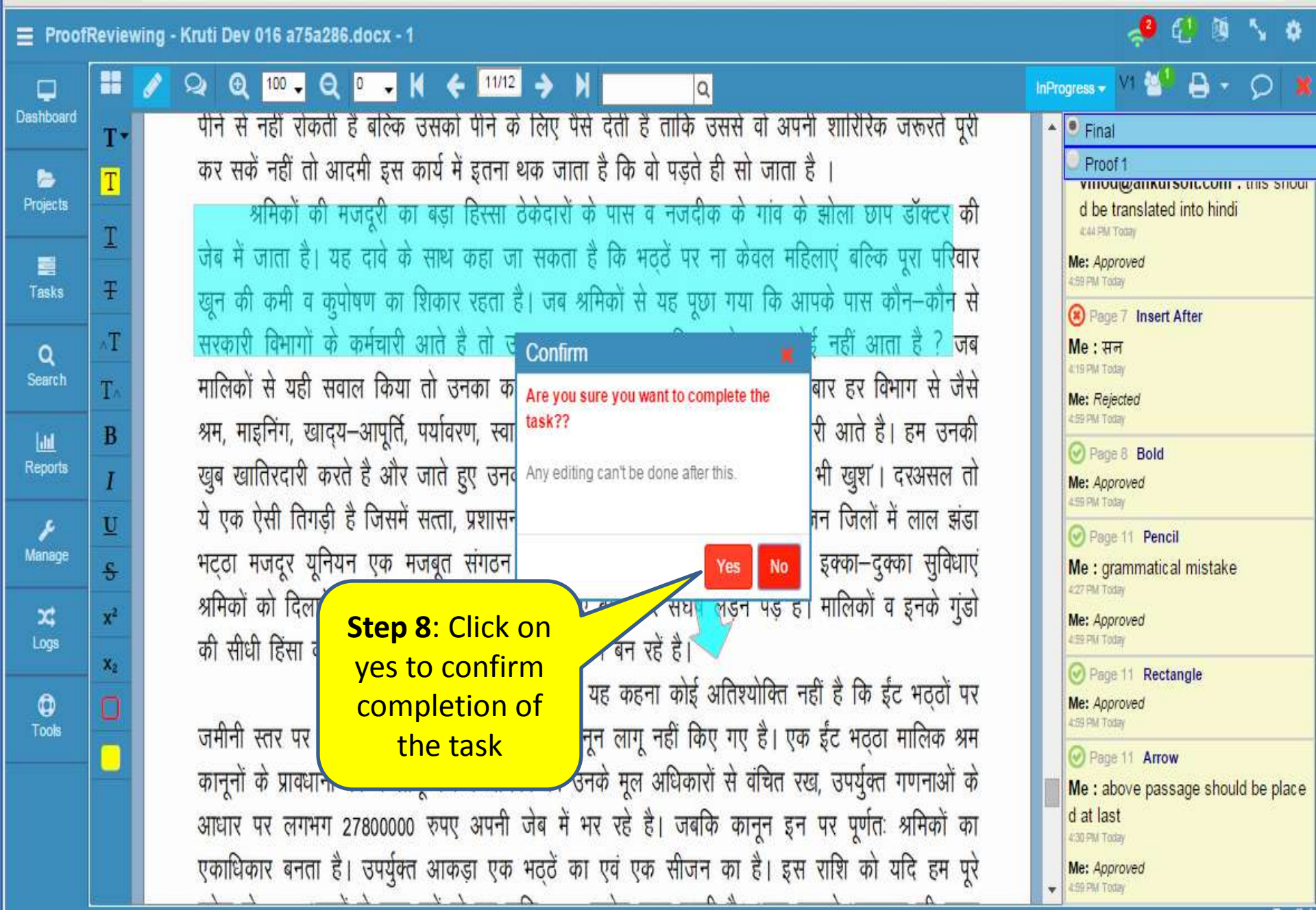

A confirmation message appears the cancel the completion process.